न्यूज डायरी

क्या उत्तर कोरिया ने शुरू कर दिया परमाणु हथियारों का परीक्षण? सवाल उठे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया की परमाणु परीक्षण साइट के निकट कई भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। ये खबरें ऐसे समय पर सामने आई हैं कि जब किम जोंग उन कई साल बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण दोबारा शुरू करने के संकेत दे चुके हैं। वैज्ञानिकों ने पिछले हफ्ते के आखिर से उत्तर कोरिया और उसके आसपास के क्षेत्रों में कई भूकंपीय गतिविधियों और भूवैज्ञानिक अस्थिरता को उजागर किया है और देश की परमाणु परीक्षण साइट के निकट कई कम तीव्रता वाले भूकंप दर्ज हैं। दक्षिण कोरिया के मौसम विज्ञान प्रशासन ने कम से कम चार भूकंपों का पता लगाया है, जिनमें हालिया भूकंप मंगलवार को दर्ज किया गया। यह उत्तर कोरिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुंगये–री परमाणु परीक्षण स्थल से लगभग 35 किमी की दूरी पर था और इसकी तीव्रता 1.5 थी। सोमवार को क्षेत्र में दो 2.3 तीव्रता के भूकंप दर्ज किए।

एक बार फिर यूक्रेन की कई सरकारी वेबसाइटें हुईं साइबर हमले का शिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस के कुछ टैंक और सैन्य वाहनों के यूक्रेन सीमा से लौटने के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। मंगलवार को यूक्रेन ने कहा कि देश के रक्षा मंत्रालय, सैन्य बल और दो सरकारी बैंकों की वेबसाइट एक साइबर हमले का शिकार हुईं जिसकी जड़ें संभवतरू रूस से जुड़ी हो सकती हैं। साइबर हमले की ये खबरें ऐसे समय पर आ रही हैं जब यूक्रेन की सीमाओं पर भारी रूसी सैन्य बल लगातार अभ्यास कर रहा है और यूक्रेन पर हमले के बादल मंडरा रहे हैं। साइबर हमले में देश की दो सबसे बड़ी बैंकों, Oschadbank state savings bank और Privat को निशाना बनाया गया, जो देश के दो सबसे बड़े वित्तीय संस्थान हैं। हालांकि मंगलवार को बाद में दोनों वेबसाइटों की सेवाएं बहाल हो गईं लेकिन सैन्य वेबसाइटें कई घंटों तक ठप्प रहीं।
इसी तरह का एक एरर मैसेज सैन्य बलों की वेबसाइट पर भी दिखाई दिया। इससे पहले जनवरी में भी हैकरों ने यूक्रेन की दर्जनों वेबसाइटों को निशाना बनाया था।

अगर यूक्रेन में अमेरिकी बने निशाना तो मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस को कड़ी चेतावनी दी है। जो बाइडेन ने साफ कहा है कि वह रूस के साथ टकराव नहीं चाहते हैं लेकिन अगर रूस के हमले से यूक्रेन में अमेरिकी निशाना बने तो इसका करारा जवाब मिलेगा। बाइडेन ने कहा, ष्हम यूक्रेन पर रूसी हमले का निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार हैं। रूसी हमला होने की अभी भी बहुत अधिक संभावना है। हम रूस के साथ सीधे टकराव नहीं चाहते हैं, हालांकि मैं स्पष्ट हूं कि अगर रूस, यूक्रेन में अमेरिकियों को निशाना बनाता है, तो हमें मजबूरन जवाब देना होगा। रूस ने मंगलवार को कहा कि सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रहीं कुछ सैन्य टुकड़ियां अपने सैन्य अड्डे के लिए लौटने लगी हैं। हालांकि, रूस ने वापसी का ब्योरा नहीं दिया है।

कनाडा में इमरजेन्सी एक्ट लागू होने का असर, सीमा पर ट्रकों की हड़ताल समाप्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। अमेरिका से लगती कनाडा की सीमा के मोंटाना मार्ग पर गत दो सप्ताह से ट्रकों और अन्य वाहनों की चल रही हड़ताल समाप्त हो गई है। वाहन दक्षिणी अल्बर्टा के कस्बे से चलने लगे हैं। वहीं, ठीक से मामले से नहीं निपटने के लिए आलोचना का सामना कर रहे ओटावा के पुलिस प्रमुख पीटर स्लोली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह दोनों घटनाएं प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा गतिरोध को समाप्त करने के लिए आपात शक्तियों का इस्तेमाल करने के एक दिन बाद हुई हैं। गौरतलब है कि प्रदर्शनकारियों ने अनिवार्य कोविड–19 टीकाकरण और वृहद स्वास्थ्य पाबंदियों के खिलाफ 29 जनवरी से अलबर्टा के कुट्स स्थित अमेरिका जाने के रास्ते को बाधित कर दिया था। कुछ दिन पहले ही रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने सीमा पर 13 लोगों को गिरफ्तार किया था और बंदूक और गोला–बारूद का जखीरा पकड़ा था।

अगर यूक्रेन पर सफल हो गया रूस का हमला तो अगला नंबर हमारा!

दावा

पूर्वी यूरोप के देश, लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया, को रूसी सैन्य दबाव का डर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। यूक्रेन की सीमाओं से कुछ रूसी टैंक और तोपों की वापसी के बाद भी एक संभावित हमले का खतरा बरकरार है। खुफिया सेवाओं के एक अधिकारी ने दावा किया है कि अगर पश्चिम ने व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन पर हमला करने दिया तो वह यहीं तक नहीं रुकेंगे। पुतिन आगे बढ़ते हुए लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया पर भी कब्जा करने का प्रयास कर सकते हैं। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पुतिन रूस–यूक्रेन–बेलारूस को मिलाकर एक नया यूनियन स्टेट बनाना चाहते हैं जिसका केंद्र मॉस्को होगा।

रूस यूक्रेन की सीमाओं से अपने सैनिकों को वापस बुला रहा है। लेकिन अमेरिकी खुफिया विभाग का मानना है कि हमला आज रात को करीब 1 बजे हो सकता है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन का आत्मविश्वास चरम पर पहुंच जाएगा और इसके बाद वह पूर्वी यूरोप के अन्य देशों को अपना शिकार बनाएंगे। रूस शहिटलर–शैलीश का इस्तेमाल करके पहले ही क्रीमिया और जॉर्जिया पर कब्जा कर चुका है, साथ ही अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए वह पड़ोसी राज्यों में तानाशाहों के साथ प्रमुख गठजोड़ स्थापित कर रहा है।

नागरिकों को सता रहा डर- अगला नंबर हमारा?: रिपोर्ट में पुतिन के फैसलों की तुलना नाजियों के तरीकों से की गई है जिनका इस्तेमाल वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान करते थे, जैसे कि चेकोस्लोवाकिया का कब्जा। पूर्व सोवियत देश एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया को डर है कि यूक्रेन के बाद अगला नंबर उनका हो सकता है।

एस्टोनियाई विदेश खुफिया सेवा के प्रमुख मिक मारन ने संभावित सैन्य संघर्ष की चेतावनी दी है और कई तरह के गंभीर संकटों की संभावना जताई है।

बाल्टिक देशों पर बढ़ सकता है दबावः उन्होंने कहा कि कम समय में बड़े पैमाने के हमले की आशंका तो नहीं है लेकिन यूक्रेन पर हमले से बाल्टिक देशों पर सैन्य दबाव बढ़ेगा। स्काई न्यूज से बात करते हुए मारन ने कहा कि भले ही रूस सैन्य हमला न करे लेकिन एस्टोनिया और अन्य पश्चिमी देशों को रूस के सैन्य दबाव के लिए तैयार रहना चाहिए। युद्ध के प्रत्यक्ष खतरे पिछले एक साल में पुतिन की विदेश नीति का एक अभिन्न अंग बन गए हैं।

हमला हुआ तो जवाब देगा नाटोः लातविया, लिथुआनिया और एस्टोनिया सभी नाटो के सदस्य हैं और रूस के साथ सीमाएं साझा करते हैं। अगर रूस उनमें से किसी पर हमला करता है तो यह गठबंधन को जवाब देने के लिए ट्रिगर करेगा। फॉरेन पॉलिसी की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बाल्टिक नागरिकों को डर है कि वे पुतिन के मैन्यू का अगला हिस्सा बन सकते हैं।

पूरी दुनिया घूमने वाले बप्पी दा क्यों कभी पाक नहीं गए?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। संगीत की दुनिया के लिए और खासकर बॉलीवुड के लिए बुधवार का दिन शोक की लहर के साथ शुरू हुआ। मशहूर गायक और संगीतकार बप्पी लहिरी का बुधवार सुबह निधन हो गया। 69 साल के श्बप्पी दाश ने अपनी कर्मभूमि मुंबई में अंतिम सांस ली। बप्पी दा को पूरी दुनिया के संगीतप्रेमी प्यार करते थे, चाहें पाकिस्तान हो या बांग्लादेश। लेकिन बप्पी दा खुद कभी पाकिस्तान नहीं गए। आखिर इसके पीछे क्या कारण था? इसका खुलासा उन्होंने कई साल पहले एक इंटरव्यू में किया था।
डीएनए ने 2013 में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें बताया गया था कि बप्पी लहिरी के पाकिस्तान में कई दोस्त और चाहने वाले हैं लेकिन वह खुद कभी पाकिस्तान नहीं गए, जिसकी सलाह उन्हें उनके पिता ने दी थी।
रिपोर्ट के मुताबिक उज्जैन में एक सम्मान समारोह के दौरान बप्पी लहिरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मेरे पिता अपरेश लहिरी एक महान संगीतकार थे। वह मुझे पाकिस्तान न जाने की सलाह अक्सर देते रहते थे। इसलिए मैं कई देशों में गया हूं लेकिन कभी पाकिस्तान नहीं गया। उन्होंन कहा कि मैं किसी तरह की राजनीति में नहीं पड़ना चाहता। पाकिस्तान में मेरे कई दोस्त हैं।

यूएन में पड़ोसी देश को फिर किया बेनकाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पड़ोसी पाकिस्तान पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि पूरा विश्व जानता है कि वर्ष 2008 के मुंबई, वर्ष 2016 के पठानकोट व वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमलों के साजिशकर्ता कहां से आए थे। यह बेहद दुखद है कि इन कायराना हरकतों के साजिशकर्ता पाकिस्तान के संरक्षण और आतिथ्य सत्कार का आनंद ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर राजेश परिहार ने सोमवार को कहा कि ठीक तीन साल पहले 14 फरवरी, 2019 को 40 बहादुर भारतीय सुरक्षाकर्मी पुलवामा में जैश–ए–मोहम्मद के कायराना आतंकी हमले में बलिदान हो गए थे।

यमन में सरकार समर्थक सैनिकों और हाउती के बीच हुई लड़ाई, 10 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अदन। दक्षिणी प्रांत ढालिया में सरकार समर्थक यमन के सैनिकों और हाउती उग्रवादियों के बीच मंगलवार को एक बड़ी लड़ाई हुई। इस लड़ाई में कम से कम 10 सैनिकों की मौत हो गई। यह जानकारी एक सैन्य अधिकारी ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक सूत्र के हवाले से बताया, हाउती लड़ाकों ने एक सशस्त्र हमला शुरु किया और प्रांत के प्रमुख क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके बाद टकराव शुरू हुआ।

भीषण लड़ाई के बाद सरकारी बलों ने हाउती हमले को किया नाकामः सैन्य अधिकारी ने कहा कि उत्तरी ढालिया में कतबाह जिले के पास घंटों भीषण लड़ाई हुई, जिसमें सरकारी बलों ने हाउती हमले को नाकाम कर दिया। अधिकारी के अनुसार, लड़ाई में दोनों पक्षों के कम से कम 10 लोग मारे गए और लगभग 14 अन्य घायल हो गए हैं।

लड़ाई में दोनों पक्षों के कम से कम 10 लोग मारे गए और लगभग 14 अन्य घायल

अभी भी जारी है लड़ाईः इस बीच, युद्ध से तबाह अरब देश के विभिन्न क्षेत्रों में सऊदी समर्थित यमन के सरकारी बलों और ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों के बीच छिटपुट लड़ाई जारी है। देश के उत्तरी प्रांतों में बीते 48 घंटे के दौरान विशेष रूप से तेल समृद्ध प्रांत मारिब में तीव्र हवाई हमलों के बीच भीषण लड़ाई देखी गई।

इस युद्ध से सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा किए गए हवाई हमलों ने यमन की राजधानी सना और पड़ोसी क्षेत्रों में कई हाउती आयोजित स्थलों को प्रभावित किया है।

रूस ने सैन्य अभ्यास समाप्त करने की घोषणा की, क्रीमिया से वापस बुलाए सैनिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच बीते कुछ समय से तनाव का माहौल है। दोनों देश इस वक्त युद्ध के कगार पर खड़े हैं। हालांकि, रूस ने क्रीमिया में सैन्य अभ्यास समाप्त करने की घोषणा कर दी है। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, रूस ने क्रीमिया में सैन्य अभ्यास समाप्त करने की घोषणा कर दी है, साथ ही उन्होंने अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। रूस ने मंगलवार को कहा था कि यूक्रेन के पास सैन्य अभ्यास करने के बाद उसकी कुछ सैन्य इकाइयां अपने ठिकानों पर लौट रही हैं। रूस के इस दावे पर पश्चिमी देशों की ओर से बेहद सतर्क और सधी हुई प्रतिक्रिया आई। ब्रिटिश पीएम बोरिस जानसन ने कहा कि रूस के साथ कूटनीतिक वार्ता का रास्ता खुला है लेकिन जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी बहुत उत्साहजनक नहीं है। वहीं, वार्ता के लिए मास्को पहुंचे जर्मन चांसलर ओलफ शुल्ज ने कुछ रूसी सैनिकों को मोर्चे से हटाए जाने का स्वागत किया।